Mentorship Program
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–8)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/24 (D-A)–M–**GSM (M-I)-2408**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Ravi Raaz **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: Nehru Vihar **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 8007323

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	4	11.	7
2.	4.25	12.	6.25
3.	1	13.	5.5
4.	2	14.	3
5.	3.5	15.	5
6.	2.75	16.	6.5
7.	—	17.	5
8.	4	18.	5.5
9.	3.75	19.	3
10.	—	20.	3
Grand Total (सकल योग)		75	

FC-241

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

(1) सभी प्रश्नों का उत्तर देने का अच्छा प्रयास

(2) प्रश्न की मांग समझें। उसी पर केन्द्रित रहें।

(3) मैप का प्रयोग प्रश्न की मांग के अनुसार करें। (अतिशय नहीं)

(4) भूमिका में सुधार अपेक्षित

(5) तथ्यों का प्रयोग करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. प्रथम विश्व युद्ध की समवर्ती घटनाएँ इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष का मूल कारण कैसे है व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain how the Israel-Palestine conflict traces its origins back to events surrounding the First World War. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पश्चिम एशिया में प्रचलित इजराइल-फिलीस्तीन संघर्ष का मूल प्रथम-विश्व युद्ध के दौरान घटित-घटनाओं में देखा जाता है।

संघर्ष का स्पष्ट परिचय दें

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हुए तीन समझौते- (मुख्य कारण)

तीन समझौते
- ① मैकमोहन- हुसैन समझौता -1915
- ② बाल्फोर घोषणा - 1917
- ③ साइक्स साइक्सपिकॉट समझौता 1915

महत्वपूर्ण सम्बंधित तथ्य :

① इजराइल- फिलिस्तीन संघर्ष के मूल में प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान होने वाले तीन परस्पर विरोधी समझौते माने जाते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② प्रथम विश्व युद्ध में तुर्की के युद्ध प्रयासों को कमजोर करने के लिए ब्रिटेन के द्वारा मक्का के ग्रेंड-शरीफ के साथ मैकमोहन-हुसैन समझौता किया जाना तथा उन्हे तुर्की के विरुद्ध विद्रोह के लिए उकसाना तथा युद्ध उपरांत स्वतंत्र अरब राष्ट्र का निर्माण का आश्वासन दिया जाना।

③ आर्थिक सहायता के इच्छा से यहुदियों को खुश करने के लिए ब्रिटेन द्वारा बाल्फॉर घोषणा। इसके तहत यहुदियों को स्वतंत्र यहुदि राष्ट्र का आश्वासन दिया जाना।

④ साइक्स-पिकॉट समझौता 1917 के द्वारा फ्रांस तथा ब्रिटेन के द्वारा अरब क्षेत्र को आपस में बॉट लेने की रणनीति बनाई गई।

उपरोक्त घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में ही वरसाय की संधि के तहत मेंडेट प्रणाली का अनुपालन करते हुए यहुदियो को अरब क्षेत्र मे बसाया गया जो संघर्ष का कारण सिद्ध हुआ।

खाइंटस
अवैध
है?
अन्य
अरब विद्रोह
ब्रिटिश शासन
आदि।
वर्साय

5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. भक्ति आंदोलन ने तत्कालीन भारतीय समाज में व्याप्त जातिगत और लैंगिक मानदंडों को किस सीमा तक चुनौती दी? परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

To what extent did the Bhakti movement challenge existing caste and gender norms in Indian society? Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भक्ति आंदोलन का भारतीय समाज पर बहुआयामी प्रभाव देखने को मिला जिसे तात्कालिक समाज में व्याप्त जातिगत तथा लैंगिक मानकों के विरुद्ध चुनौती के रूप में विशेष रूप से देखा जा सकता है।

भक्ति आंदोलन का संक्षिप्त परिचय दो

जातिगत तथा लैंगिक मानकों पर प्रहार

① भक्त संतों के द्वारा (विशेषकर निर्गुण संत) ईश्वर के एकता के माध्यम से मनुष्य की एकता पर बल दिया जाना।

② 'रामानंद' जैसे संत के शिष्यों में कबीर (जुलाहा), रैदास (चर्मकार) से लेकर जाट, धोबी तथा अन्य विभिन्न वर्गों का शामिल होना।

धन्ना सेना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ भक्ति संतो में धार्मिक क्षेत्र में समानता पर बल देकर एक सामाजिक समानता को भी स्वीकृति दे दी।

④ मीरा बाई, लालेश्वरी, महादेवी अक्का जैसी कई महिला भक्तिन भी इस दौरान प्रभावी रही

⑤ भक्त संतो में धार्मिक ग्रंथों तथा सामाजिक मानकों की व्याख्या प्रकृतिक न्याय के सिद्धांत पर कर जातिगत तथा लैंगिक रुढ़िवादिता पर चोट की (कबीर और तुलसी)

6 भक्ति आंदोलन की कुछ सीमाएं

सीमाएं
- ① इस दिशा में कोई सक्रिय प्रयास नहीं
- ② संस्था या संगठन का गठन नहीं
- ③ केवल समस्या पर चोट किंतु समाधान नहीं
- ④ जन-चेतना पर गहरा प्रभाव न पड़ना।

उपरोक्त कारणों से ही यूरोप के प्रोटेस्टेन आंदोलन के विपरीत भक्ति आंदोलन का सीमित प्रभाव देखा गया इसके बावजूद तत्कालीन परिप्रेक्ष्य में इसकी भूमिका सराहनीय रही।

Good
भाषा सुग्राह्य
अच्छा प्रयास
लैंगिक विरोध सीमित
ब्राह्मणवादी समाज का विरोध
4.25

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विउपनिवेशीकरण
अंग्रेजी के शब्द को वरीयता (U.P.S.C.)

drishti | दृष्टि The Vision

3. अफ्रीका का विभाजन क्या है? अफ्रीका में उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया कैसे शुरू हुई? (150 शब्द) 10
What is Scramble of Africa? How did the process of decolonization unfold in Africa? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अफ्रीका के अपार संसाधनों को लूट हेतु विभिन्न यूरोपीय शक्तियों के बीच अफ्रीका में उपनिवेशों की स्थापना हेतु 19वीं सदी के उत्तरार्ध में कठोर प्रतिस्पर्धा शुरू हुई। चूँकि उपरोक्त प्रतिस्पर्धा किसी बड़े युद्ध का कारण बन सकता था अतः जर्मन ~~चांस~~ चांसलर बिस्मार्क ने 1884 में बर्लिन अफ्रीकी कांग्रेस का आयोजन कर अफ्रीका को विभिन्न साम्राज्यवादी शक्तियों के बीच विभाजित कर दिया इस सम्मेलन में कुल 14 सदस्य थे यही घटना अफ्रीका का विभाजन के रूप में जानी जाती है।

छोटे पैराग्राफ

(भूमिका में) अफ्रीका विभाजन का संक्षिप्त परिचय दें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विउपनिवेशीकरण

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ राष्ट्रवाद का उदय
→ द्वितीय विश्व युद्ध
→ यूरोपीय शक्ति का ह्रास
→ शीतयुद्ध संघर्ष
समकालीन विश्व

अफ्रीका में औपनिवेशीकरण का कारण

कारण:
1. खनिज की उपलब्धता
2. कीमती धातुओं की प्राप्ति
3. दासों की उपलब्धता
4. यूरोपीय बाजार की जरूरत
5. कच्चे माल की आवश्यकता

औपनिवेशीकरण मे सहायक कारक :-

कारक:
1. कुनैन की खोज (मलेरिया से सुरक्षा)
2. मशीन गन का अविष्कार (आंतरिक भाग मे जाना आसान)
3. ज्ञान-विज्ञान में प्रगति (अनुनयन की योग्यता)

उपरोक्त कारकों ने अफ्रीका ~~के औ~~ मे ऐसे औपनिवेशीकरण को प्रोत्साहित दिया जो अफ्रीका मे उपनिवेश मुक्ती के बाद भी संघर्ष, युद्ध, पिछड़ेपन और नव-उपनिवेशवाद का ~~कारण~~ सिद्ध हुआ। (1)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. सेंगोल स्थापना के सांस्कृतिक महत्त्व पर विशेष ज़ोर देते हुए, परीक्षण कीजिये कि किस प्रकार नया संसद भवन भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। (150 शब्द) 10

Examine how the new parliament building embodies various aspects of Indian culture, with a keen focus on the cultural significance associated with the installation of the Sengol. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

२०२३ में नवनिर्मित भारतीय संसद भवन भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को ~~अभिव्यक्ति~~ अभिव्यक्त करता है जिसमें सेंगोल की मौजूदगी इसकी प्रमुख विशेषता है।

प्रभावी भूमिका लिखना सीखें।

सेंगोल — चोल कालीन प्रतीक जिसका उद्देश्य शासक के लिए न्याय-व्यवस्था को सुनिश्चित करना था

स्वशासन का प्रतीक

संसद में विभिन्न संस्कृति

1. भारतीय स्थापत्य शैली में निर्मित
2. सेंगोल की स्थापना
3. भारतीय मानचित्रण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ लोकसभा — मयूराकार

→ राज्यसभा → कमल आकार

→ पेंटिंग → मधुबनी

→ 6 दरवाजे

→ त्रिभुजाकार → बरगद का प्रतीक

आदि

2

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 1929 की महामंदी के बहुमुखी प्रभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Elaborate on the multifaceted impact of the Great Depression of 1929. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1929 की वैश्विक महामंदी विश्व के आर्थिक इतिहास मे एक युगांतकारी घटना मानी जाती है जिसकी शुरुआत अमेरिकी शेयर बाजार के ध्वस्तीकरण से होकर पूरे विश्व मे फैल गई।

भूमिका ठीक है

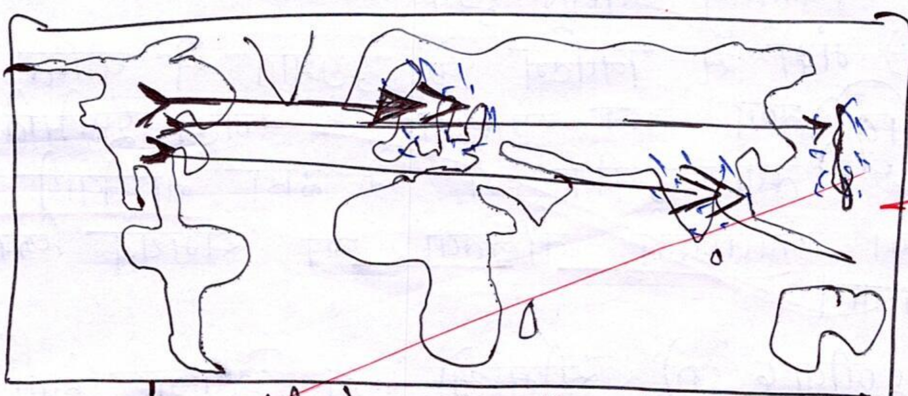

महामंदी 1929 से प्रभावित क्षेत्र

प्रश्न की माँग के अनुसार बनाएं (अप्रासंगिक)

महामंदी के कारण :

(1) जर्मनी के अर्थव्यवस्था मे गिरावट से माँग मे शिथिलता

(2) मातृदेश देश तथा उपनिवेश के व्यापार के संतुलन मे व्यवधान

कारण → (3) U.S.A तथा यूरोप के बीच के व्यापार संतुलन का U.S.A. के पक्ष मे हो जाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) 'मार्जिन मनी' के लालच के कारण U.S.A के शेयर बाजार में उथल - पुथल

(5) यूरोप के आर्थिक पुर्ननिर्माण का U.S.A के निवेश पर निर्भर होना।

मंदी का बहुआयामी प्रभाव :-

(1) मंदी से निपटने के क्रम मे सरकारों की शक्ति में वृद्धि (फलत: नागरिक स्वतंत्रता बाधित हुई)

(2) मंदी से निपटने के दुष्प्रभाव से पीड़ित तथा बढ़ते समाजवाद के कारण पूंजीपति तथा कुलीन वर्ग के द्वारा नाजीवादी तथा फासीवादी शक्तियों का समर्थन किया जाना।

(3) पूंजीवाद की सीमाओं का उजागर होना तथा क्लासिकल अर्थशास्त्र का स्थान केनसियन अर्थशास्त्र के द्वारा लिया जाना।

(4) U.S.S.R का अप्रभावी होने से समाजवाद का प्रसार।

(5) भारी बेरोजगारी तथा क्रय शक्ति में कमी

मंदी से निपटने के क्रम केनसियन अर्थशास्त्र के विकास तथा न्यू-डील की नीति ने विश्व अर्थव्यवस्था को दिशा दी

→ सैनाधर्मो का संघर्ष
→ ऋणग्रस्तता
→ आर्थिक नीतियों में परिवर्तन
→
प्रभाव
→ स्टीक लिखें
3.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. भारतीय विरासत और संस्कृति में गुप्त काल के योगदान पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Highlight the contribution of Gupta Period to Indian heritage and culture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विरासत और संस्कृति की दृष्टि से गुप्त काल (3 - 6वीं सदी ईसवी) को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग माना जाता है।

→ प्रभावी भूमिका → थोड़ा परिचय दें (गुप्तकाल)

* विरासत तथा संस्कृति के क्षेत्र में गुप्तकाल का योगदान -

(i) मंदिर स्थापत्य के पंचायतन शैली का विकास गुप्त काल में ही हुआ जो आगे चलकर नागर वास्तुकला का आधार बना (भूमरा का पार्वती मंदिर, भीतरगांव का लक्ष्मण मंदिर)।

(ii) इस काल की मूर्तिकला (सारनाथ मूर्तिकला) पूर्व के कुषाण कालीन मूर्तिकला से कहीं अधिक सौम्यसालीन और नैतिक प्रतीत होती है तथा इसमें विविध भाव भंगिमाएं, केश सज्जा और परिष्कृत आभामंडल विशेष रूप से आकर्षक हैं। → उदाहरण लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

③ धातु की मूर्तियां भी अपने आप में मूर्तिकला के उत्कृष्ट उदाहरण माने जाते हैं (सुल्तान गंज से प्राप्त 'बुद्ध' की कांस्य प्रतिमा व मेहरौली का लौह-स्तंभ)।

④ इस काल में साहित्य के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विकास देखने को मिलता है (पुराण, महाकाव्य तथा अन्य धर्मनिरपेक्ष साहित्य)।

कालिदास आदि

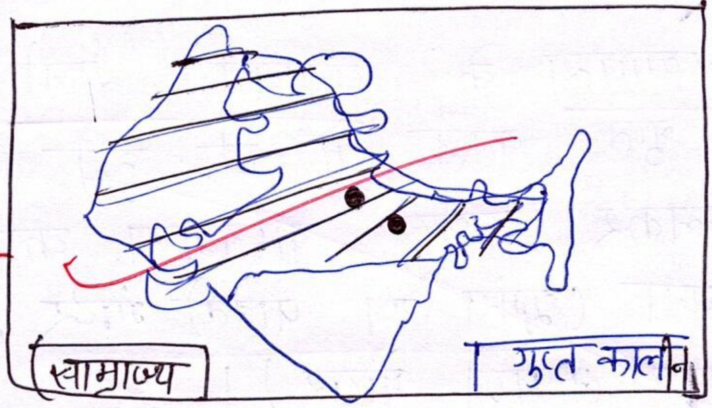

अप्रासंगिक

2.75

गौरतलब है कि गुप्तों का अपार संसाधनों तक पहुंच, समृद्ध नगरीय जीवन और चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के नवरत्नों ने गुप्तकालीन कला और विज्ञान ~~को~~ में योगदान देकर भारतीय विरासत और संस्कृति को समृद्ध बनाया।

→खगोल
→गणित
→दर्शन
→साहित्य
→धर्म
→व्यापार

सभी पक्षों पर लिखें

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहित करने में राजा रवि वर्मा की चित्रकला के प्रभाव का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the impact of Raja Ravi Varma's paintings on fostering nationalist sentiment during colonial India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(1) राजा रवि वर्मा का परिचय

(2) चित्रकला का प्रभाव

(I) भारतमाता का चित्र

(II) भारतीय संस्कृति का प्रयोग

(III) धार्मिक-पौराणिक कथाओं को उकेरा
↳ गौरव बढ़ा

(IV) राष्ट्रीय एकत्व

आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. चीन में बॉक्सर विद्रोह में योगदान देने वाले कारकों और प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the factors and impact contributing to the Boxer Rebellion in China.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1899 से 1900 के बीच चीन में बॉक्सर विद्रोह घटित हुआ → थोड़ा बताएं (एक संक्षिप्त परिचय)

बॉक्सर विद्रोह के कारण :

(I) औपनिवेशिक तथा साम्राज्यवादी शक्तियों के विरुद्ध प्रतिक्रिया → ईसाई मिशनरी

(II) चीनी शासक वंश के निष्क्रियता के विरुद्ध विद्रोह → मांचू जाति का विद्रोह

(III) चीनियों में व्याप्त आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक असंतोष

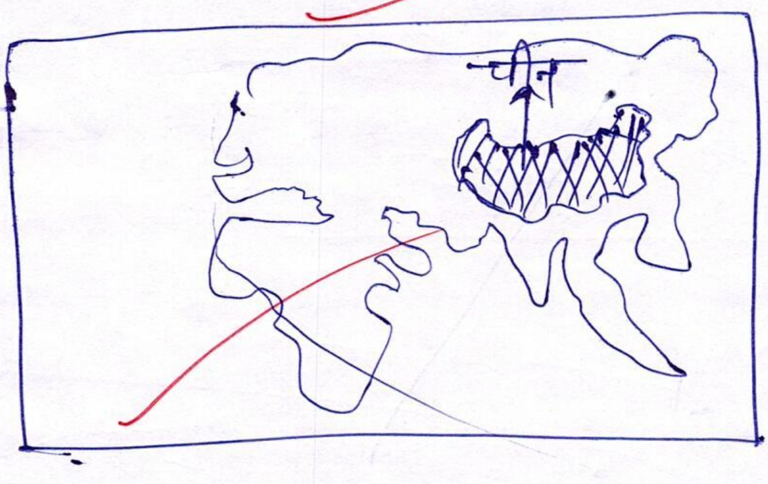

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बॉक्सर विद्रोह का प्रभाव

- चीनियों के विद्रोह का तात्कालिक रूप से कुचला जाना
- साम्राज्यवादी शक्तियों के द्वारा कठोर शर्तें लगाए जाना
- साम्राज्यवादी शक्तियों का नियंत्रण का मजबूत होना

इस रूप में बॉक्सर विद्रोह ने चीन में अपेक्षित सुधार करने के स्थान पर साम्राज्यवादी नियंत्रण को और मजबूत कर दिया।

आंतरिक अशांति फैली

राष्ट्रवाद का उदय

बॉक्सर प्रोटोकॉल

अच्छा प्रयास

4

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. चोल वास्तुशिल्प मंदिर स्थापत्य कला की प्रगति में एक शिखर का प्रतीक है। टिप्पणी कीजिये।
(150 शब्द) 10

The Chola architecture signifies a pinnacle in the progression of temple architecture. Comment.
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चोलकालीन मंदिर स्थापत्य कला मंदिर निर्माण की द्रविड़ शैली के नाम से जानी जाती हैं जो मंदिर निर्माण की क्लासिकल मानदंड को ग्रहण किए हुए हैं।

भूमिका साधारण है

चोल कालीन मंदिर स्थापत्य कला की विशेषताएँ –

(i) मंदिर मुख्यत: पंचायतन शैली में बनी होती
(ii) मंदिर के केंद्र में गर्भगृह होता जिसके ऊपर एक विमान निर्मित होता
(iii) गर्भगृह में मुख्य देवता की स्थापना की जाती जबकि अन्य देवताओं को उनके ऊर्ध्व-निर्ध्व स्थापित किया जाता
(iv) गर्भगृह के ठीक सामने नक्काशीदार मण्डप का निर्माण किया जाता जो प्राय: कई स्तंभो पर टिका रहता

महत्व भी बताए (प्रश्न की मांग)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(v) मंदिर में जल निकाय का निर्माण अनिवार्य रूप से किया जाता

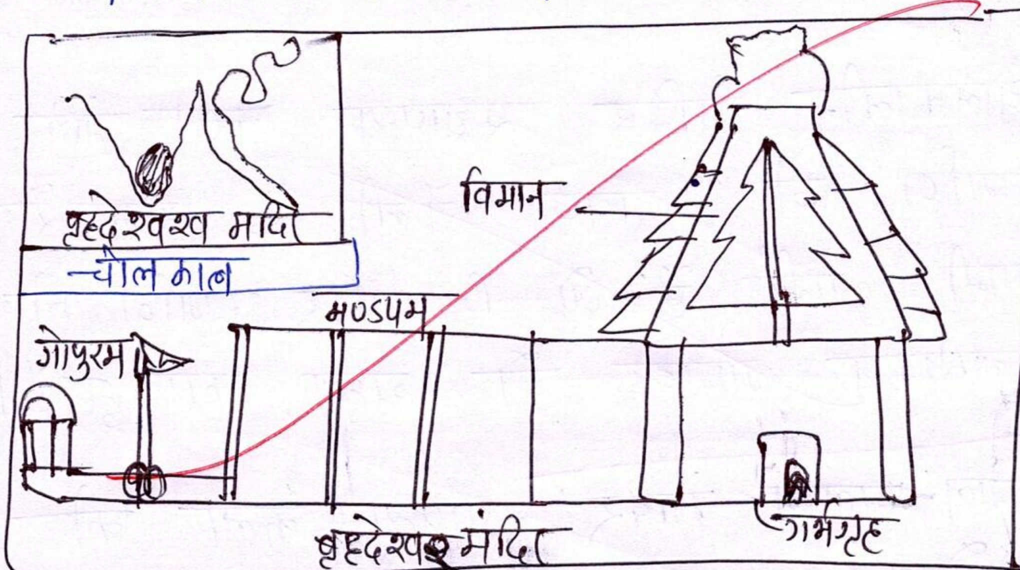

(vi) मंदिर प्राय: सामुदायिक क्रियाओं के केन्द्र होते फलत: वे ऊँची दीवारों से घिरे होते और गोपुरम भी निर्मित किए जाते।

ध्यातव्य है कि बृहदेश्वर मंदिर तथा राजेन्द्र चोल द्वारा निर्मित मंदिर स्थापत्य के उत्कृष्ट उदाहरण है तथा बृहदेश्वर मंदिर के शीर्ष का एक ही पत्थर का बना होना चोल अभियांत्रिकी का अनुपम उदाहरण माना जाता है।

शिखर का प्रतीक

1) तकनीकी कौशलता
2) [illegible]
3) यूनेस्को की सूची में शामिल
4) भव्यता तथा विशालता

3.75

प्रश्न की माँग पर भी लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

10. 19वीं सदी के अंत में जापान के बढ़ते साम्राज्यवाद के कारणों और परिणामों का परीक्षण कीजिये।

(150 शब्द) 10

Examine the reasons and consequences of Japan's increasing imperialism towards the conclusion of the 19th century.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① जापान साम्राज्यवाद
संक्षिप्त परिचय (भूमिका

② कारण

(I)- उपनिवेशी दौड़

(II)- संसाधनों की होड़

(III)- मेजी पुनर्स्थापना

(IV)- चीन, रूस को हराना

(V) कोरिया का विलय

③ प्रभाव

I- सैन्यवाद की वृद्धि

II - विश्व युद्धों का एक कारण

III -जापान - आर्थिक वैज्ञानिक विकास

आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. फ्राँसीसी क्रांति की शुरुआत में योगदान देने वाले कारकों का परीक्षण कीजिये और इसके ऐतिहासिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the factors that contributed to the onset of the French Revolution and elaborate on its historical significance. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(1789) फ्रांसीसी क्रांति विश्व इतिहास मे एक विभाजक रेखा मानी जाती है जिसने पहले तो फ्रांस और यूरोप में और फिर पूरे विश्व मे सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक रूपांतरण को प्रोत्साहन दिया।

भूमिका ठीक है

* फ्रांसीसी क्रांति (1789 - 1815) के कारण

कारण

सामाजिक | राजनीतिक | बौद्धिक | तात्कालिक

① राजनीतिक :- ~~यूरोप~~ लुई -14 वीं ने फ्रांस में निरंकुश राजतंत्र का ~~प्रदर्श~~प्रेसन किया था आगे लुई 15 वी व 16 वीं ने भी निरंकुश राजतंत्र का आवरण ओढ़े रखा। किंतु योग्यता के अभाव मे जनअसंतोष को वह दबा न सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② सामाजिक :- फ्रांस चर्च, कुलीन तथा सामान्य के रूप में तीन सामाजिक वर्गों के रूप में विभाजित था जहाँ प्रथम दो वर्ग विस्तृत विशेषाधिकारों का उपभोग करते वहीं तीसरे वर्ग की दशा अत्यंत दयनीय थी।

कर का बोझ

③ आर्थिक :- 1770 के बाद फ्रांस में आई आर्थिक मंदि, 1788-89 में फसल के नष्ट हो जाने और विविध कारणों से फ्रांसीसी सरकार की आर्थिक तंगी ने फ्रांसीसियों के बीच भारी असंतोष उत्पन्न कर दिया

good

④ बौद्धिक :- रूसो तथा अन्य प्रबुद्ध चिंतकों ने फ्रांसीसी जनता का ध्यान अव्यवस्था की ओर आकर्षित किया फिर उनके द्वारा क्रांति को नए शब्द व मुहावरे (विधि का शासन) देकर क्रांति को वैधता प्रदान की।

→ वाल्टेयर

⑤ तात्कालिक कारण :- स्टेट जनरल (मई, 1789) में तृतीय वर्ग की प्रतिनिधियों की माँग न माना जाना और फिर टेनिस कोर्ट के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

दमन का प्रयास ने बारूद के ढेर पर खड़े फ्रांस के लिए चिंगारी का काम किया

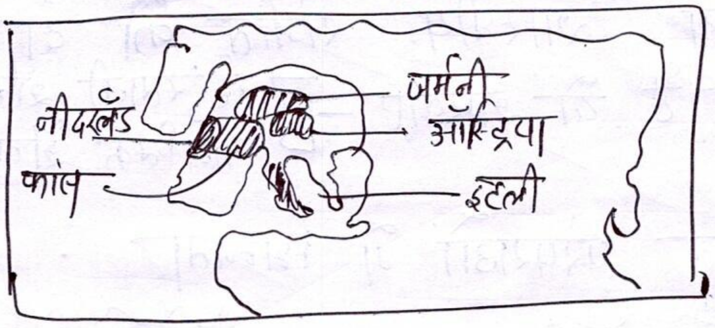

क्रांति का ऐतिहासिक प्रभाव :-

प्रभाव

1. पहले फ्रांस और फिर यूरोप का सामाजिक और आर्थिक, राजनीतिक रूपांतरण
2. राजा के राष्ट्रवाद से जनता के राष्ट्रवाद का उद्भव
3. 1789 में सामंतवाद का अंत (फलतः फ्रांस स्वतंत्र किसानों वाला प्रथम यूरोपीय राष्ट्र बना)
4. 'स्वतंत्रता', 'समानता' और 'बंधुत्व' के नारे का विश्वव्यापी प्रसार
5. यूरोप के अन्य देशों के अतिरिक्त लैटिन अमेरिका में साइमन बोलिवर और भारत में 'टीपू' तथा राम मोहन राय' के विचार व व्यवहार को भी प्रभावित

इस तरह से फ्रांस की क्रांति ने फ्रांस तथा विश्व इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी।

राष्ट्र प्रथम

लोकतंत्र का उदय

आधुनिक विचारों का प्रसार

7

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत परंपराओं में क्या भिन्नताएँ हैं और ये भिन्नताएँ किस प्रकार दोनों की प्रदर्शन शैलियों को प्रभावित करती हैं? (250 शब्द) 15

What are the key characteristics that differentiate Hindustani and Carnatic music traditions, and how do they influence the performance styles in each? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रभावी भूमिका

भारतीय शास्त्रीय संगीत की दो शाखाएं मानी जाती है दो शाखाएं – [हिंदुस्तानी शैली / कर्नाटक शैली

दोनो संगीत परंपराओं में भिन्नता

हिंदुस्तानी शैली	कर्नाटक शैली
(i) भारतीय तथा फारसी रागों पर आधारित	विशुद्ध भारतीय शैली
(ii) मुख्यतः उत्तर भारत में प्रचलित	मुख्यत: दक्षिण भारत में प्रचलित
(iii) मुगल काल तथा उत्तरवर्ती काल में विभिन्न घरानों के अंतर्गत इसका विकास	सम्पूर्ण मध्यकाल में इसका क्रमिक विकास
(iv) स्वामी हरिदास, तानसेन आदि हिंदुस्तानी शैली के प्रमुख गायक थे	पुरन्दरदास कर्नाटक शैली के जनक माने जाते हैं।

→ आवश्यक समागम

→ शुद्धता

→ बाँसुरी, तबला,

→ वीणा, मृदंगम

→ 6 राग

72 राग (मेलाकर्ता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

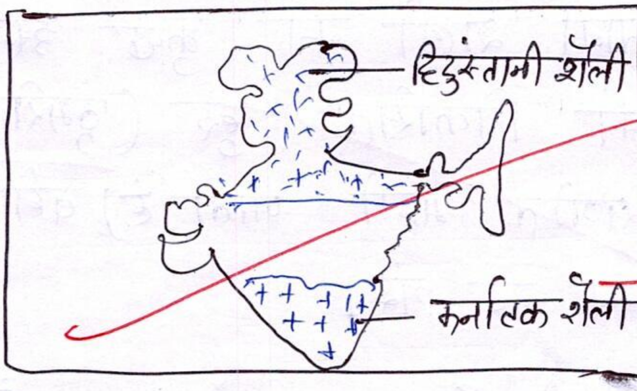

हिंदुस्तानी शैली की उपशैलियाँ

ध्रुपद	ख्याल	ठुमरी	तराना	टप्पा

दोनो के प्रदर्शन शैलियो मे उपरोक्त भिन्नता के प्रभाव :—

① हिन्दुस्तानी शैली मिश्रित रागो पर आधारित होने के कारण अपेक्षाकृत विभागी प्रतीत होती है जबकि कर्नाटक शैली विशुद्ध भारतीय रागो पर आधारित होने के कारण अधिक एकाश्म प्रतीत होती है

② हिंदुस्तानी शैली मे देशी तथा विदेशी पारम्परिक वाद्य यंत्रो का प्रयोग किया जाता है वही कर्नाटक शैली स्वदेशी वाद्य यंत्रो पर ही आधारित है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मैप जबरदस्ती न बनाएं (माँग के अनुसार)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जहाँ हिंदुस्तानी शैली की कुछ अन्य उप-शैलिया भी विकसित हुई (ठुमरी अर्द्ध-शास्त्रीय संगीत मानी जाती है) वही कर्नाटिक शैली एकरूप रह गई।

③ हिंदुस्तानी शैली में वाद्य यंत्रों तथा बोल पर विशेष बल दिया जाता है जबकि कर्नाटिक शैली मे सुरो व तालों पर विशेष ध्यान दिया जाता हैं।

उपरोक्त दोनो ही शैलिया वर्तमान भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रमुख धारक के साथ साथ भारतीय शास्त्रीय परम्परा के समृद्ध विरासत को भी प्रदर्शित करती हैं।

कंटेंट पक्ष अच्छा है

6.25

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

13. द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति ने विश्व की वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित किया? (250 शब्द) 15

How did the end of World War II impact the global political order of the world? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

'ऐरिक हॉब्स बॉम्' ने द्वितीय विश्वयुद्ध को 31 वर्ष तक चलने वाले (1914-1945) प्रथम विश्व युद्ध का ही दूसरा चरण माना है। ~~द्वितीय विश्वयुद्ध~~

भूमिका में II विश्व युद्ध के समापन की पृष्ठभूमि बताऍं।

द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण :-

(i) → वरसाय की संधि के कठोर शर्तें।
(ii) → शर्त के अनुपालन में फ्रांस तथा ब्रिटेन के बीच समन्वय का आभाव।
(iii) → 1929-30 की आर्थिक महामंदी।
(iv) → यूरोप में उग्र दक्षिण पंथी राजनीति का उद्भव।
(v) → रोम-बर्लिन टोक्यो धुरी का निर्माण।
(vi) → हिटलर के आक्रमक विदेश नीति के विरुद्ध मित्र राष्ट्रो की प्रतिक्रिया।
(vii) → मित्र राष्ट्रो का आपसी हित तथा धुरी शक्तियो का निहित स्वार्थ।

→ अप्रासंगिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[...] चाहिये।
(Candidate must n[...] write on this marg[...])

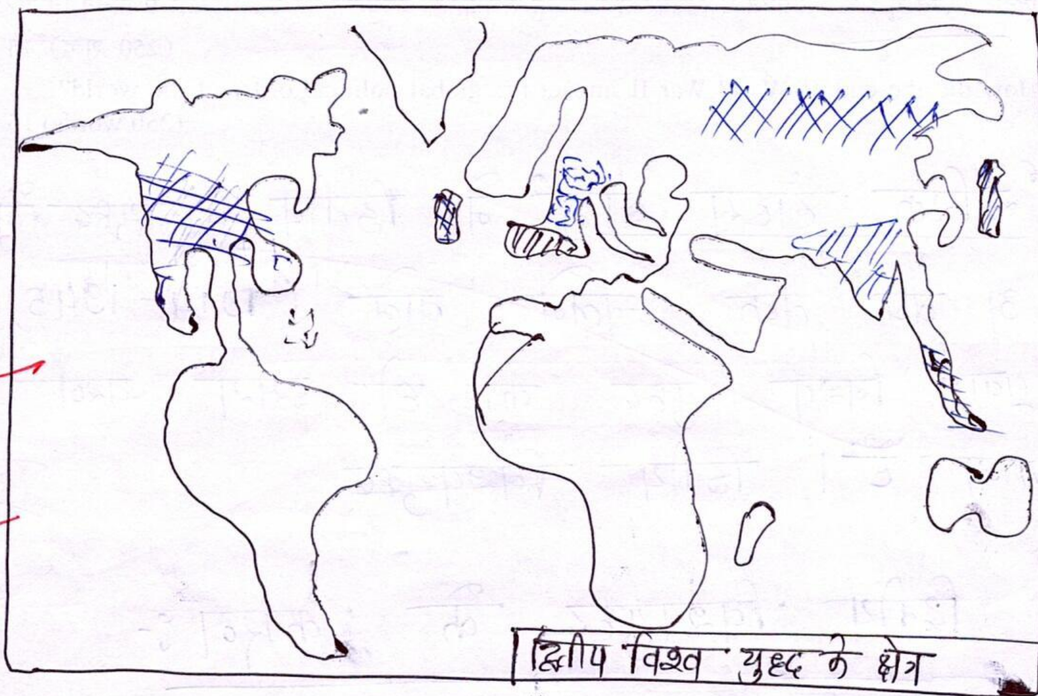

द्वितीय विश्व युद्ध के क्षेत्र

प्रश्न की माँग?

द्वितीय विश्वयुद्ध का वैश्विक राजनीति व्यवस्था पर बहुआयामी प्रभाव :-

प्रभाव
- → UNO का गठन
- → ब्रिटेन वुड्स प्रणाली
- → शीत युद्ध
- → उपनिवेश मुक्ति
- → ब्रिटेन का स्थान U.S.A के द्वारा लिया जाना

① UNO का गठन :- 1941 के अटलांटिक चार्टर के आधार पर UNO का गठन किया जाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जिसने वैश्विक शांति व सहयोग तथा विश्व विकास को प्रोत्साहित किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) ब्रिटेन वुड प्रणाली :- IMF, विश्व बैंक तथा GATT इसके मुख्य परिणाम थे जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था तथा वैश्विक व्यापार में अहम भूमिका निभाई।

पूंजीवाद
समाजवाद

(4) शीत युद्ध :- USA तथा U.S.S.R के नेतृत्व वाले गुटों के बीच शीत युद्ध का आरंभ जिसने सम्पूर्ण विश्व को लगभग दो हिस्सों में बांट दिया। (गुटनिरपेक्षता का भी उद्भव)

→ दो ध्रुवों में विभाजन

(5) उपनिवेश मुक्ति :- युद्ध के दौरान प्रजातंत्र तथा स्वतंत्रता के नारे ने उपनिवेशों में राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा दिया फलतः उपनिवेश मुक्ति को प्रोत्साहन

तीसरे ध्रुव का उदय

(6) ब्रिटेन का स्थान एक वैश्विक शक्ति के रूप में U.S.A के द्वारा लिया जाना तथा विश्व व्यवस्था को नया स्वरूप प्रदान किया जाना।

→ अधिकारों की मांग

5.5

निष्कर्ष : द्वितीय विश्वयुद्ध के उपरोक्त बहुआयामी प्रभाव ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित कर विश्व व्यवस्था को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय कानून बने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारतीय उपमहाद्वीप के साहित्यिक और आध्यात्मिक परिदृश्य को आकार देने में रूमी, बुल्ले शाह और कबीर जैसे प्रमुख सूफी कवियों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of prominent Sufi poets like Rumi, Bulleh Shah, and Kabir in shaping the literary and spiritual landscape of the subcontinent. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सूफीवाद का संक्षिप्त परिचय

रूमी, कबीर तथा बुल्ले शाह उपमहाद्वीप के साहित्यिक तथा आध्यात्मिक परिदृश्य आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई -

(1) रूमि - एक प्रमुख सूफी संत जिन्होंने रहस्यवाद पर बल देकर आध्यात्म को प्रोत्साहित किया।

(2) कबीर :- (i) इनके द्वारा रचित दोहे व साखिया हिंदी साहित्य के आज भी समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करते है।

(ii) अशिक्षित होने के कारण हिंदू तथा मुस्लिम धर्म के शास्त्रीय पक्षों से अनभिज्ञ होने के कारण उन्होंने व्यवहारिक रूप से आध्यात्म को आत्मसात किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) इसके द्वारा ईश्वर के एकत्व के आधार पर मनुष्य के एकता पर बल दिया जाना।

(3) बुल्ले शाह

- (i) एक प्रमुख पंजाबी सूफी संत
- (ii) आध्यात्म पर विशेष बल
- (iii) मंदिर को तोड़ दो, मस्जिद को तोड़ दो पर दिल को मत तोड़ो क्योंकि यह खुदा का वनाहगार है

3

इन संतो के साहित्यिक तथा आध्यात्मिक योगदान बाद के संतो के लिए प्रेरणा सिद्ध हुआ।

→ प्रेम
→ सामाजिक सुधार
→ एकत्व का भाव

→ भाषाई समग्रता
→ भावात्मक अभिव्यक्ति
→ रहस्यवाद
आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[illegible] चाहिये।

(Candidate must [illegible] write on this marg[illegible]

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. प्रारंभिक वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक महिलाओं की भूमिका और स्थिति कैसे विकसित हुई? (250 शब्द) 15

How did the role and status of women evolve from the early Vedic period to the later Vedic period? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैदिक काल (1500 - 600 ई.पू.) के दो मुख्य उपचरण माने जाते है

(i) ऋग्वेद (वैदिक काल)
(ii) उत्तर वैदिक काल

वैदिक काल मे ही वर्तमान भारतीय समाज के आधारभूत विशेषताओं का विकास प्रारंभ हुआ जिसमे महिलाओं की स्थिति विशेष रूप से परीक्षण मे है -

प्रारंभिक वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक महिलाओं की भूमिका व स्थिति का विकास :-

*महिलाओं की भूमिका
→ विदुषी के रूप मे ऋग्वेद की रचना मे योगदान
→ माता, पत्नी और पुत्री के रूप मे घरेलू महिला की भूमिका

पैराग्राफ मे वैदिक काल (कमी) तथा परिवर्तन (परिप्रेक्ष्य मे)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(iii) दासियो के रूप में उनकी भूमिका
(iv) शिल्पियो के रूप मे शिल्पकार की भूमिका

महिलाओं की स्थिति का विकास (ऋग्वैदिक काल)

(i) ऋग्वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति काफी सबल
(ii) यद्यपि वीर पुत्रों की कामना तो की गई किंतु पुत्रियो की प्राप्ति को निरुत्साहित नहीं किया गया।
(iii) लोपा मुद्रा, अपाला जैसी विदुषी स्त्रियों के द्वारा ऋग्वेद की रचना मे योगदान दिया जाना।
(iv) महिलाओं के द्वारा शिल्प कार्यो मे भी बढ़ चढ़ कर भूमिका निभायी जाना (सूत की कताई व बुनाई)

उत्तरवैदिक काल

(i) महिलाओं की स्थिति में क्रमिक ह्रास के अभिलक्षण प्रतीत होने लगे।

सभा समिति में भाग लेना

आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) महिलाओं के जन्म को निरुत्साहित किया जाना।

(iii) एक उत्तरवैदिक ग्रंथ में महिलाओं को / पुत्री को दुख: का कारण बताया गया।

(iv) बाल-विवाह तथा विधवाओं की दयनीय दशा के प्रारंभिक तत्व देखने को मिलने लगे। सती प्रथा।

(v) जहाँ ऋग्वैदिक काल में महिलाओं को समिति में शामिल किया जाता वही उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की राजनीतिक स्थिति सीमित कर दी गई।

5

इसके बावजूद उत्तरवैदिक काल के अंत तक महिलाओं की स्थिति अपेक्षाकृत सम्मानजनक थी किंतु कालक्रमेण क्रमिक रूप में उनकी स्थिति दयनीय होती गई।

आवश्यक तथ्यों का अभाव

महिला स्थिति

वैदिक काल	उत्तर वैदिक
1 —	—
2 —	—
3 —	—
4 —	—

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. सोवियत संघ के पतन के कारणों पर प्रकाश डालिये। साथ ही, चर्चा कीजिये कि इसने क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य को कैसे परिवर्तित किया। (250 शब्द) 15

Highlight the factors leading to the collapse of the Soviet Union. Also, discuss how it changed the political landscape of the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सोवियत संघ का संक्षिप्त परिचय दें

सोवियत संघ का पतन आधुनिक विश्व के इतिहास में एक विभाजक रेखा मानी जाती है जिसकी महत्व को स्पष्ट करते हुए फ्रांसीस 'फ्युकोयामा' ने 'इतिहास के अंत की उद्घोषणा कर डाली'

सोवियत संघ के पतन का कारण :-

(1) समाजवादी व्यवस्था के नाम पर स्थापित सोवियत संघ मे पहले एक दल की तानाशाही और फिर एक व्यक्ति की तानाशाही से जनता में भारी असंतोष।

(अधिक स्पष्ट करें)

(2) 1970 के दशक से सोवियत अर्थव्यवस्था का लगातार पिछड़ता जाना फिर 'तृतीय औद्योगिक क्रांति' मे भी सोवियत संघ का पिछड़ना (फलत! जनता के

वर्तनी में ध्यान रखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बीच आर्थिक संकट का व्याप्त होना।

(3) सोवियत संघ का बहुनस्लीय तथा बहुसांस्कृतिक स्वरूप जिसे दीर्घकाल के लिए एकजुट बनाए रखने हेतु अयुक्त रणनीति का न अपनाया जाना (यथा धार्मिक स्वतंत्रता को बाधित करना)

चेरनोबिल घटना का प्रभाव

अनुदार

(4) अनुउधारवादी नेताओं के विरुद्ध संघर्ष के क्रम में उदारवादी नेताओं के जानबूझकर नस्लीय विभाजन को बढ़ावा दिया जाना।

(5) मिखाइल गोरवा चोव की नीति गोर्बाचेव

(i) पेरस्त्रोइका :-(आर्थिक पुर्नगठन) फलत: आर्थिक उथल-पुथल

(ii) ग्लासनोस्त (: वैचारिक खुलेपन) इसने स्थिति को और भी जटिल कर दिया।

→ [illegible] संघर्ष का प्रभाव अफगानिस्तान

→ आर्थिक असफलता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this mar...)

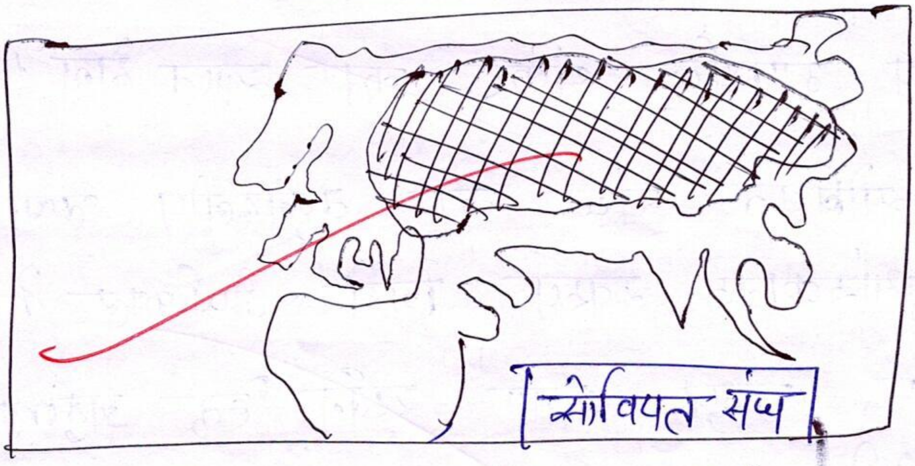

U.S.S.R के पतन का क्षेत्रीय राजनीति पर प्रभाव

प्रभाव
- (i) पूर्वी यूरोप के साम्यवादी सरकारों का पतन
- (ii) U.S.S.R के गणतंत्र तथा पूर्वी यूरोप में लोकतंत्र का विस्तार
- (iii) क्षेत्र में NATO तथा यूरोपीय संघ के प्रभाव में वृद्धि
- (iv) शीत युद्ध का अंत तथा एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था की शुरुआत
- (v) आरंभ में रूस की पश्चिम के साथ निकटता [G7 में शामिल होना (G8)]।

इस तरह से सोवियत संघ का पतन न केवल क्षेत्रीय राजनीति अपितु विश्व राजनीति को नई दिशा प्रदान कर वर्तमान वैश्विक व्यवस्था का उत्प्रेरक सिद्ध हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। वर्तमान संदर्भ के साथ इसकी स्पष्ट समानताओं को इंगित कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the distinctive features of the Indus Valley Civilization. Point out the similarities in the present context. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सिंधु घाटी सभ्यता (2600-1900 ई.पू.) भारतीय इतिहास की प्राचीनतम सभ्यता मानी जाती है जिसके अभिलक्षण आज भी जनमानस के बीच कौतुहल के विषय है।

भूमिका लिखना सीखें

सिंधु घाटी की सभ्यता की विशेषताएँ -

(I) कांस्ययुगीन सभ्यता यद्यपि कांसे के अल्प साक्ष्य

(II) भारत की प्राचीनतम "नगरीय सभ्यता" (मोहनजोदड़ो, हड़प्पा आदि प्रमुख सैंधव नगर)

(III) नगर नियोजन में अद्वितीय प्रणाली
- → घरों का ग्रिड पद्धति पर बना होना
- → सड़को का एक दूसरे के समकोण पर काटना
- → उत्कृष्ट जल प्रबंधन प्रणाली

(IV) नगरों का स्पष्टता दो भागों में बटा होना पूर्वी भाग - (दुर्ग), पश्चिमी भाग - (निचला क्षेत्र)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(v) नगर नियोजन में अद्वितीय समानता यथा - हर नगर में एक ही आकार 4:2:1 के पक्की ईंटों का उपयोग

(vi) समानता के साथ-साथ असमानता भी कम महत्वपूर्ण न होना (कालीबंगन में कच्ची ईंटों का प्रयोग जबकि अन्यत्र पक्की ईंटों का प्रयोग)

(vii) आजीविका के विस्तृत आर्थिक आधार

→ व्यापार

→ कृषि

— पशुपालन निर्माण आदि

(viii) विविधता पर बल - तीन प्रकार की शवाधान प्रणाली, पशु, वृक्ष, आदि की पूजा।

(ix) लिपि का विद्यमान किंतु अपठनीय।

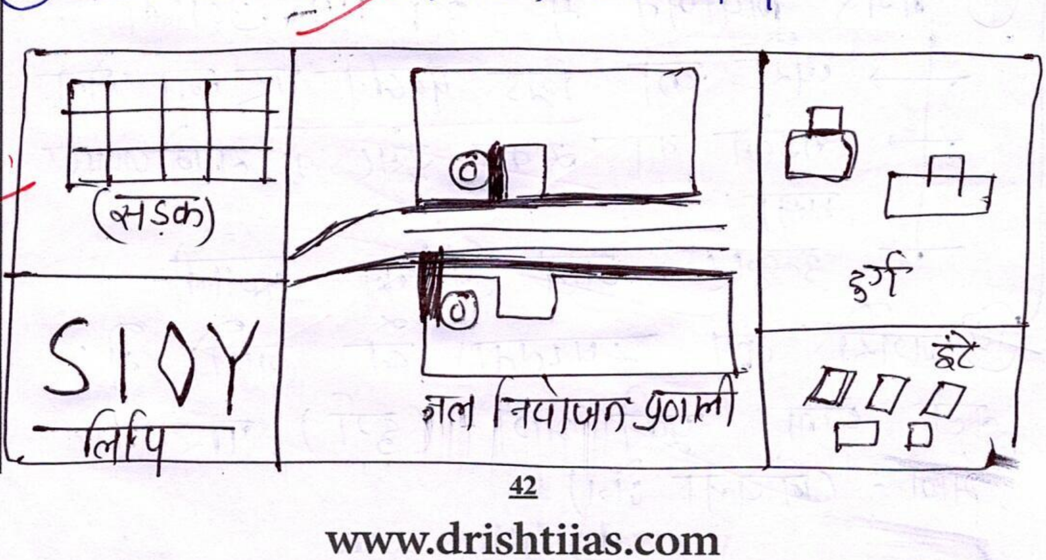

→ धार्मिक पक्ष

→ आर्थिक पक्ष

→ राजनीतिक पक्ष

→ सांस्कृतिक पक्ष

आदि पर भी लिखें

संक्षेप में बनाएं

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान समय के साथ इसकी समानता के तत्व :-

1. नगर नियोजन पर बल (स्मार्ट सिटी योजना)।
2. एकीकृत विकास की दिशा में प्रयास (P.M.- जनशक्ति मिशन)।
3. भारत शहर का विविधतामूलक चरित्र।
4. सैंधव कालीन जल प्रबंधन प्रणाली के तर्ज पर आधुनिक जल प्रबंधन पर बल (जल जीवन मिशन)।

तत्व

उपरोक्त समानता के बावजूद सिंधु घाटी सभ्यता न केवल विरासत के रूप में बल्कि उत्प्रेरक के रूप में आज भी प्रासंगिक बनी हुई है।

सड़के, जलनिकास

शिवपूजन

प्रकृति पूजन

5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. विश्वभर में उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलनों और राष्ट्रीय मुक्ति संघर्षों पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Analyze the influence of the Russian Revolution on anti-colonial movements and national liberation struggles across the globe. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this mar...)

भूमिका में रूसी क्रांति का परिचय दें

जहां 19वीं सदी उपनिवेशवाद के लिए कुख्यात है वहीं 20वीं सदी उपनिवेश विरोधी आंदोलनों तथा राष्ट्रीय मुक्ति संघर्षों के लिए जाना जाता है

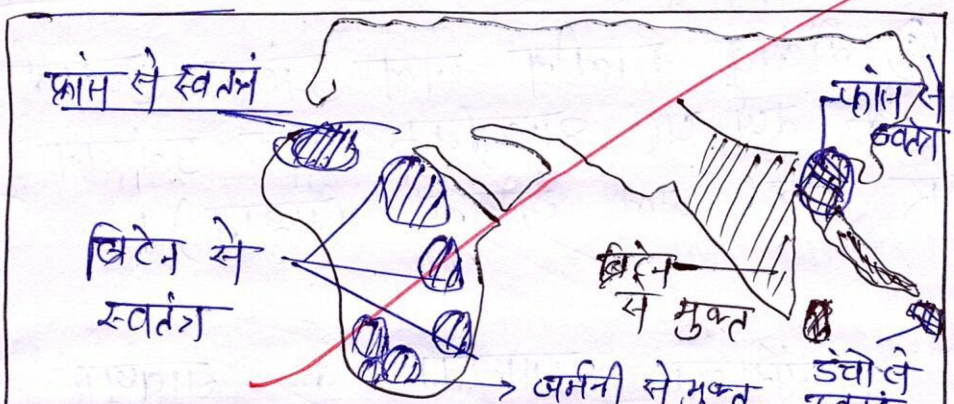

अप्रासंगिक

वैसे तो 19वीं सदी के उपनिवेश विरोधी आंदोलन तथा राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलनों में कई कारकों की भूमिका रही किंतु रूसी क्रांति का प्रभाव इनमें से एक गौण किंतु महत्वपूर्ण कारक माना जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रूसी क्रांति की भूमिका :-

① रूसी क्रांति ने विश्वभर में निरंकुश शासन से मुक्ति का एक नवीन मॉडल पेश किया।

② इसी क्रांति के बाद स्थापित साम्यवादी सरकारों ने उपनिवेशवाद की आलोचना की तथा उसे पूंजीवाद की संतान करार दिया।

③ रूसी क्रांति में न्याय के विचार पर विशेष बल दिया गया था इसी आधार पर अन्यायपूर्ण शासन से संचालित हो रहे उपनिवेशों की जनता में न्याय के पक्ष में आवाज उठी।

④ विभिन्न उपनिवेशों के नेता रूसी समाजवादी मॉडल से गहराई से प्रभावित हुए यथा भारत - मे नेहरू और फिर उन्होंने अपने देश में समाजवाद की स्थापना हेतु साम्राज्यवादी शक्तियों के

वर्ग संघर्ष
यूरोपीय अजेयता
का खंडन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विरुद्ध संघर्ष किया।

(5) रूसी क्रांति ने आगे चलकर शीत-युद्ध का मार्ग प्रशस्त किया फलतः U.S.S.R का मूल रूप से साम्राज्यवाद विरोधी होने के कारण U.S.A द्वारा भी उपनिवेश मुक्ति पर बल दिया जाना।

इन सबके अतिरिक्त 20वी सदी मे होने वाले उपनिवेश मुक्ति आंदोलनो के लिए राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय तथा उपनिवेशकर्ता मात्र देश के स्तर पर होने वाले परिवर्तन भी जिम्मेदार माने जाते है।

→ अफ्रीका एशिया क्षेत्र पर प्रभाव बताए

→ निष्कर्ष अप्रभावी

→ प्रश्न की मांग पर लिखें

→ कंटेंट में सुधार अपेक्षित

5.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. मुगलकालीन चित्रकला ने किस प्रकार भारतीय कला की समृद्ध चित्रयवनिका (टेपेस्ट्री) में योगदान दिया? इसकी विशिष्टताएँ क्या थीं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

How did the Mughal school of painting contribute to the rich tapestry of Indian art? What were its distinctive features? Elaborate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मुगलकाल न केवल अपने साम्राज्यिक विस्तार तथा सुदृढ़ीकरण के लिए जाना जाता है अपितु कला और साहित्य में अपनी विशेष उपलब्धियों के लिए भी जाना जाता है।

चित्रकला से सम्बद्ध करें

मुगलकालीन महत्वपूर्ण कला :-

1. स्थापत्य कला :- (ताजमहल)
2. चित्रकला - (बाग-बकी)
3. संगीत कला (तानसेन)
4. नृत्य कला - (कथक)
5. साहित्य - (अकबरनामा)

अप्रासंगिक

मुगलकालीन चित्रकला की विशेषताएं अग्रलिखित हैं—

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

① बाबर और हुमायूं को चित्रकला के विकास हेतु अपेक्षित अवकाश नहीं मिला था इसके बावजूद फारस से लौटते समय हुमायूं अपने साथ कुछ प्रमुख चित्रकारों को भारत ले आया था।

नाम लिखें

② अकबर ने चित्रकला में काफी रुचि ली तथा चित्रों का खाका बनवाया जाना, चित्रों मे भव्यता पर बल तथा चित्रों पर देशी तथा विदेशी प्रभाव का समन्वय अकबर कालीन चित्रकला की प्रमुख विशेषता थी।

अलग विभाग

③ जहाँगीर चित्रकला का विशेष पारखी था उसके काल में चित्र निर्माण सामूहिक प्रयास हो गया था साथ ही चित्र निर्माण मे यूरोपीय प्रभाव भी दिखने लगे।

④ शाहजहाँ कालीन चित्रों में कृत्रिमता अधिक झलकती है तथा चित्रों को सजाने के लिए प्रायः कीमती धातुओं का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न की माँग
(1) विशेषताएं
→ विभिन्न शैली का मिश्रण
→ प्रकृतिक चित्रण
→ चमकीले रंग
→ दरबारे भव्य चित्र

उपयोग किया जाता

(5) औरंगजेब चित्रकला को गैर-इस्लामिक मानता था फलत: उसने इस पर प्रतिबंध लगा दिया।

(6) मुगल चित्रकला में दरबारी दृश्यों, राजा की भव्यता तथा राजा की इच्छाओं की अभिव्यक्ति होती है।

(7) इन चित्रों पर भारतीय तथा फारसी प्रभाव भी अभिव्यक्त होता है

(8) मुगल चित्रकला का भारतीय चित्रकला पर प्रभाव
- (1) राजपूत कला को प्रभावित
- (2) लघु चित्रों को समृद्ध बनाना
- चित्रकला में यूरोपीय प्रभाव को शामिल करना।

(3)

मुगल चित्र शैली कला की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही इसके अतिरिक्त यह तत्कालिक सामाजिक परिस्थितियों को भी अभिव्यक्त करता है।

योगदान
1 - पंथनिरपेक्षता
2 - आगे मौलिक पृष्ठभूमि
3 - राजपूत, पहाड़ी चित्रकला का स्रोत

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. शीत युद्ध संघर्ष को आकार देने में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक मतभेदों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of ideological differences between the United States and the Soviet Union in shaping the Cold War conflict. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शीतयुद्ध को प्राय: गर्मशांति की भी संज्ञा दी जाती है यह एक मनोवैज्ञानिक व कूटनीतिज्ञ युद्ध था जिसने दोनों ही पक्षों ने अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अपने ढंग से प्रभावित करने का प्रयास किया।

द्वितीय विश्व युद्ध ⇓ यू०एस०ए० यू०एस०एस०आर० आदि

शीत युद्ध के दो पक्ष

U.S.A के नेतृत्व वाला | U.S.S.R के नेतृत्व वाला पक्ष

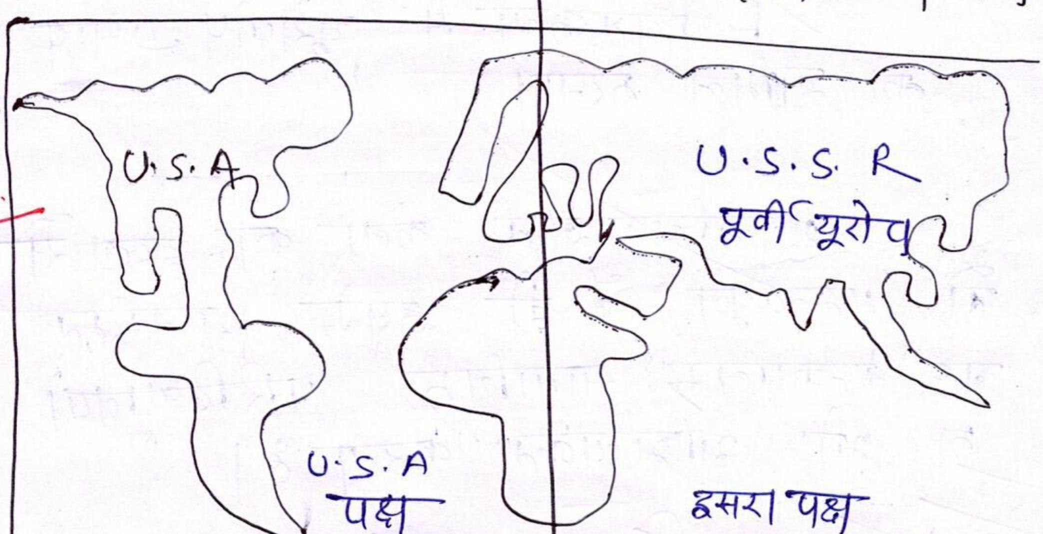

अनावश्यक मैप न बनाएं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

शीत युद्ध में U.S.A तथा U.S.S.R के बीच वैचारिक मतभेद की भूमिका –

भूमिका

देवनागरी लिपि

(i) U.S.A पूंजीवाद का समर्थक जबकि U.S.S.R समाजवादी व्यवस्था का समर्थक था।

(ii) दोनों ही पक्ष 1917 के बोल्शेविक क्रांति के बाद से ही एक दूसरे के वैचारिक प्रभाव को सीमित करने के लिए प्रतिबद्ध थे।

(iii) इसी आधार पर 1918 के आस-पास पश्चिमी पूँजीवादी शक्तियों ने रूस पर आक्रमण किया जिसका ~~बाद~~ ट्राटस्की के नेतृत्व में रूस ने सफलतापूर्वक मुकाबला किया।

(iv) दोनों ही पक्षों ने अपने स्थिति सुदृढ़ करने के लिए अवसरवादी नीति अपनाई (~~थ~~ यथा – U.S.S.R द्वारा पूर्वी यूरोप में साम्यवादी सरकार की स्थापना)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न की माँग से पूर्ण असंतोष

① वैचारिक मतभेद

→ पूंजीवाद | → समाजवाद
→ उदारवाद | → राज्यसत्ता
→ निजीकरण | → सरकारी
→ लोकतंत्र, बहुदलीय | → एकदलीय

आदि

इनके प्रभाव शीत युद्ध पर

वैचारिक कारण को शीत युद्ध मे परिवर्तित करने में अन्य कारकों की भूमिका

भूमिका

(i) U.S.S.R को विश्वास में लिये बिना मित्र राष्ट्रों द्वारा 1943 में इटली से आत्मसमर्पण करवाया जाना।

(ii) निरंतर अनुरोध के बावजूद U.S.S.R की रक्षा हेतु U.S.A तथा U.K. द्वारा जर्मनी के विरुद्ध दूसरा मोर्चा न खोला जाना।

(iii) स्टॉलिन के द्वारा पूर्वी यूरोप को अपने प्रभाव में लेना तथा प्रतिशत समझौता (1944) का उल्लंघन कर साम्यवादी सरकारों को आरोपित करने का प्रयास करना।

(iv) 'याल्टा सम्मेलन' के वादों का उल्लंघन

यद्यपि शीत युद्ध के दौरान कोई बड़ा सैन्य संघर्ष तो नहीं हुआ तथापि शीत युद्ध ने विचारधारा के नाम पर अगले पाँच दशकों तक विश्व को युद्ध की कगार पर खड़ा रखा।

3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation